PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 6 गुरुवार, जुलाई 9, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

कुप्पम में मेगा फुटवियर क्लस्टर का प्रस्ताव, दक्षिण कोरिया में मंत्री लोकेश की पहल

इंटरनेट डेस्क, 8 जुलाईः आंध्र प्रदेश के शिक्षा एवं आईटी मंत्री नारा लोकेश ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के बुसान में ह्वासंग ग्रुप के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। लोकेश ने कंपनी को आंध्र प्रदेश में ह्वासंग मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित करने का निमंत्रण दिया तथा कुप्पम में एकीकृत फुटवियर कंपोनेंट एवं मटेरियल निर्माण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने आंध्र प्रदेश में नेक्स्ट–जनरेशन एथलेटिक फुटवियर अनुसंधान एवं विकास तथा एशिया–प्रशांत नवाचार केंद्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया। लोकेश ने कुप्पम को दक्षिण भारत के समग्र फुटवियर निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने तिरुपति में कंपोनेंट निर्माण इकाई तथा विशाखापट्टनम में डिजाइन एवं लॉजिस्टिक्स हब स्थापित करने का सुझाव दिया। साथ ही, उन्होंने ह्वासंग को आंध्र प्रदेश में टियर–1 और टियर–2 विक्रेताओं के साथ सप्लायर मीट आयोजित करने का निमंत्रण दिया।

ह्वासंग के प्रतिनिधियों ने बताया कि कंपनी कुप्पम में 900 करोड़ रुपये की लागत से ग्रीनफील्ड नॉन–लेदर फुटवियर प्लांट स्थापित कर रही है। इस संयंत्र का लक्ष्य प्रतिवर्ष 2 करोड़ जोड़ी स्पोर्ट्स शूज का उत्पादन करना है। उन्होंने बताया कि ह्वासंग एडिडास सहित कई वैश्विक ब्रांडों के लिए ब्ड आपूर्तिकर्ता के रूप में कार्य करेगी। शुरुआती चरण में कंपनी का ध्यान निर्यात पर रहेगा, उसके बाद घरेलू बाजार में विस्तार किया जाएगा। प्रतिनिधियों ने कहा कि वे आंध्र प्रदेश सरकार के नवीनतम प्रस्तावों पर विचार करेंगे। लोकेश ने बुसान स्थित शूज ऑल स्मार्ट हेल्थकेयर फुटवियर फैक्टरी का भी दौरा किया। उन्होंने अत्याधुनिक तकनीक से जूते बनाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया और मेडिकल मैग्नेटिक जनरेटर तथा स्मार्ट चिप्स से युक्त जूतों में रुचि दिखाई। उन्होंने पैरों के स्वास्थ्य के लिए विकसित विशेष वाइब्रेशन चिप तकनीक का अवलोकन किया तथा रक्त संचार में सुधार और मांसपेशियों की थकान कम करने वाले स्मार्ट फुटवियर के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक्स पर पोस्ट करते हुए लोकेश ने कहा, "मैंने बुसान में फुटवियर, शू लेस, मेटल हार्डवेयर और सहायक उपकरणों के प्रसिद्ध निर्माता बू यंग ग्रुप के सीईओ एवं प्रेसिडेंट डायरेक्टर रयान कांग तथा बिजनेस स्ट्रैटेजी एंड प्लानिंग मैनेजर मिली रिचर्डसन से मुलाकात की। मैंने उनसे आंध्र प्रदेश में फुटवियर एवं कंपोनेंट निर्माण इकाई स्थापित करने का अनुरोध किया। साथ ही राज्य की सिंगल–विंडो मंजूरी प्रणाली, मजबूत बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध उत्कृष्ट लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी के बारे में जानकारी दी।"

लोकेश ने एक अन्य पोस्ट में बताया कि उन्होंने दक्षिण कोरिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र बुसान में आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड (APEDB) के तहत एपेक्स–कोरिया (Andhra Pradesh EÛternal Engagement – Kore) नामक निवेशक सहायता एवं संपर्क केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र आंध्र प्रदेश में निवेश करने की इच्छुक कोरियाई कंपनियों और राज्य सरकार के बीच सेतु का कार्य करेगा।

हिंदुत्व की जड़ों को कमजोर करने वाले हैं जगन के बयान : मंत्री सत्य कुमार यादव

विजयवाड़ा, 8 जुलाईः मंत्री सत्य कुमार यादव ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी राज्य में सकारात्मक माहौल बनता है, विपक्ष उससे राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग जातीय और धार्मिक वैमनस्य को बढ़ावा दे रहे हैं। बुधवार को मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि धार्मिक विद्वेष फैलाने वालों के खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी राज्यों से वीडियो संदेश भेजकर नफरत फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनके बयान हिंदुत्व की जड़ों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभिनेता प्रकाश राज की टिप्पणियां भी वैमनस्य को बढ़ावा देने वाली प्रतीत होती हैं।

सत्य कुमार यादव ने आगे कहा कि जगन सरकार के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश के तीनों क्षेत्रों का समुचित विकास नहीं हुआ। उन्होंने "माविगन" तर्क को असंगत और आधारहीन बताया। मंत्री ने कहा कि जनता ऐसे बयानों को देख रही है जिनमें कोई स्पष्टता या तारतम्य नहीं है।

उन्होंने बताया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर पार्टी स्तर पर विशेष विचार–विमर्श चल रहा है। स्थानीय चुनावों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि जल्द ही पार्टी नेतृत्व यह तय करेगा कि कौन, कहाँ से चुनाव लड़ेगा।

धार्मिक वैमनस्य को बढ़ावा दे रहे हैं : मंत्री आनम का जगन एंड कंपनी पर हमला

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 8 जुलाईः आंध्र प्रदेश के देवादाय (एंडोमेंट्स) मंत्री आनम राम नारायण रेड्डी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीयों और हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाले लोगों का समर्थन करना भारत के संविधान को कमजोर करने के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं, संविधान की गलत व्याख्या कर रहे हैं और जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं।

"क्या धार्मिक नफरत भड़काई जा रही है?"

मंत्री ने सवाल किया कि क्या समाज के एक वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए धार्मिक वैमनस्य भड़काया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि "रावण" नाम का उपयोग करने वाला एक व्यक्ति हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का प्रयास कर रहा है और धार्मिक पीठाधीशों तथा संतों की भी आलोचना कर रहा है। आनम ने आरोप लगाया कि "जगन एंड कंपनी" ऐसे कृत्यों को प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या इस तरह के आचरण को तथाकथित "राजा रेड्डी के संविधान" में मान्यता दी गई है। मंत्री ने मांग की कि वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी इस बात का जवाब दें कि क्या वे सामाजिक सौहार्द और आम लोगों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।

"संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की भी रक्षा करता है"

आनम ने कहा कि जिस प्रकार अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, उसी प्रकार संविधान धार्मिक आस्था और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा भी करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जोसेफ रावण नामक व्यक्ति के माध्यम से विभिन्न समुदायों और धर्मों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश की जा रही है तथा संविधान से परे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दावा किया जा रहा है। मंत्री ने मांग की कि जगन यह स्पष्ट करें कि कौन–सा संविधान धर्मों का अपमान करने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कानून को अपना काम करने दिया जाना चाहिए। मंत्री आनम राम नारायण रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

कोरियाई कंपनियों को लोकेश का निमंत्रण, बुसान में APEX & Korea का शुभारंभ

दक्षिण कोरिया / अमरावती, 8 जुलाईः आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश का दक्षिण कोरिया दौरा जारी है। वे आंध्र प्रदेश में निवेश के अवसरों को लेकर कोरियाई कंपनियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। इसी क्रम में बुसान में APEX&Korea निवेशक सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया। आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के तत्वावधान में स्थापित इस केंद्र का उद्घाटन मंत्री लोकेश ने किया।

APEX & Korea कोरियाई कंपनियों और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच एक समन्वय मंच के रूप में कार्य करेगा। यह केंद्र आंध्र प्रदेश में निवेश करने की इच्छुक कोरियाई कंपनियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा तथा राज्य में पहले से कार्यरत कोरियाई कंपनियों को भी सहायता उपलब्ध कराएगा। निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से APEX & Korea की स्थापना की गई है।

इस अवसर पर मंत्री लोकेश ने बुसान में उद्योगपतियों के साथ बैठक कर उन्हें आंध्र प्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने BNK Financial Group के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। लोकेश ने समूह को अमरावती में अपनी शाखा स्थापित करने का निमंत्रण दिया तथा अमरावती और राज्य के औद्योगिक पार्कों के लिए आधारभूत संरचना वित्त (इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और शिपबिल्डिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए कोरियाई कंपनियों को आमंत्रित किया और आंध्र प्रदेश को निवेश एवं विनिर्माण केंद्र के रूप में चुनने का आह्वान किया। साथ ही, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के समर्थन के लिए RTIH (रतन टाटा इनोवेशन हब) में भागीदारी करने का निमंत्रण भी ठछज्ञ समूह को दिया।

BNK Financial Group के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे आंध्र प्रदेश सरकार के प्रस्तावों का अध्ययन करने के बाद निर्णय लेंगे।

BNK Financial Group की कुल एकीकृत परिसंपत्तियों का मूल्य लगभग Rs.9-64 लाख करोड़ है। यह समूह तीन बैंकों और कई वित्तीय संस्थानों के माध्यम से अपनी सेवाएं संचालित करता है। समूह की दक्षिण कोरिया में 398 शाखाएं तथा विदेशों में 75 आउटलेट्स हैं।

नंद्याल में हाई टेंशनः गंगुला नानी के घर पहुंचीं भूमा अखिला प्रिया

(पेन पॉवर न्यूज): नंद्याल जिला, 8 जुलाईः नंद्याल जिले में मंगलवार को राजनीतिक माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अहोबिलम से अल्लागड्डा के लिए विधायक भूमा अखिला प्रिया के रवाना होने से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। पूर्व विधायक गंगुला नानी द्वारा की गई टिप्पणियों और आरोपों के बाद उनके सीधे निवास पर जाने की खबर सामने आते ही पुलिस सतर्क हो गई। इस बीच, यह चर्चा चल रही थी कि गंगुला नानी अपने लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए अहोबिलम नहीं गए। ऐसे समय में अखिला प्रिया का अल्लागड्डा के लिए रवाना होना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों पक्षों के समर्थकों के बड़ी संख्या में जुटने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने एहतियाती सुरक्षा उपाय शुरू कर दिए। पुलिस ने गंगुला नानी के घर पहुंचने के प्रयासों को रोक दिया और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया। गंगुला नानी के निवास के आसपास सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है तथा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। दूसरी ओर, जैसे ही विधायक भूमा अखिला प्रिया के अल्लागड्डा आने की सूचना फैली, उनके समर्थक और गंगुला नानी के समर्थक सतर्क हो गए। इसके चलते शहर के कई हिस्सों में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। कानून–व्यवस्था बनाए रखने और यातायात नियंत्रण के लिए पुलिस ने विशेष कदम उठाए हैं। स्थानीय लोग इन राजनीतिक घटनाक्रमों पर गहरी नजर बनाए हुए हैं। अखिला प्रिया और गंगुला नानी के बीच के ये ताजा घटनाक्रम नंद्याल जिले की राजनीति में चर्चा का विषय बन गए हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, फिर भी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम जारी हैं। राजनीतिक हलकों में अब अखिला प्रिया के अगले कदम और गंगुला नानी की प्रतिक्रिया को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश सचिवालय में लेदर उत्पादों के आउटलेट का उद्घाटन

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 8 जुलाईः आंध्र प्रदेश सचिवालय के भवन संख्या–4 के भूतल पर स्थापित नवीन लिडकैप (LIDCAP) शोरूम का उद्घाटन सामाजिक कल्याण मंत्री डोला श्री बाल वीरांजनय स्वामी ने किया। इस कार्यक्रम में हथकरघा, वस्त्र एवं उद्योग मंत्री सविता तथा लिडकैप के अध्यक्ष पिल्ली माणिक्याल राव भी उपस्थित रहे। इस नए आउटलेट में जूते, चप्पल, हैंडबैग, बेल्ट सहित विभिन्न प्रकार के शुद्ध चमड़े (लेदर) से बने उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। सचिवालय कर्मचारियों और आगंतुकों को इन उत्पादों पर विशेष रूप से 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, ग्राहक अपनी पसंद के आकार और डिजाइन के अनुसार विशेष ऑर्डर भी दे सकेंगे। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि ऑर्डर देने के दो सप्ताह के भीतर कस्टम–मेड लेदर उत्पादों की डिलीवरी कर दी जाएगी। इस अवसर पर मंत्री सविता ने कहा, "पिछले दो वर्षों में लिडकैप संस्था में उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण देकर और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना हमारी सरकार का लक्ष्य है।" वहीं मंत्री डोला श्री बाल वीरांजनय स्वामी ने कहा, "हमने लिडकैप संस्था की पुरानी समस्याओं को दूर कर इसे फिर से पूरी तरह पटरी पर ला दिया है। लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने से संस्था के कार्य प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। इसके अलावा, सरकार ने अदालतों में लंबित मामलों में फंसी लिडकैप की मूल्यवान संपत्तियों, विशेष रूप से विजयवाड़ा की महत्वपूर्ण भूमि, को सफलतापूर्वक वापस अपने नियंत्रण में लिया है।"

संपादकीय

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण किया है। इसके अंतर्गत 104 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से अधिक आभा खातों से जोड़े गए हैं। एबीडीएम ने कागजी कार्रवाई को खत्म कर और इंतजार के समय में कमी लाकर रोगियों को बीमाकर्ताओं, अस्पतालों और डॉक्टरों से एक एकीकृत नेटवर्क से जोड़ दिया है। भारत सबके लिए स्वास्थ्य सुविधा की ओर लगातार बढ़ रहा है, जहाँ हर कोई बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मज़बूत डिजिटल आधार की ज़रूरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ज़्यादा आसान, कुशल और सुलभ बनाने के लिए एक मज़बूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना अनिवार्य है। यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की सुविधा देता है, जिससे नागरिक देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रूप से देख और शेयर कर सकते हैं। यह बिना पहचान वाले गोपनीय स्वास्थ्य डेटा तैयार करता है। इस डेटा का उपयोग स्वास्थ्य योजना और सेवा वितरण में सुधार करने के साथ-साथ भारत के उभरते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह की अवसंरचना के होने से बीमारी पर नज़र रखने, निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में नए नवाचार की संभावना बनती है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने एक एकीकृत और नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरुआत की। एक एबीडीएम-सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसके अलावा, वे मरीज की सहमति लेने के बाद उनके पिछले रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से देख सकते हैं और मरीज़ की ऐसी मंजूरी, जिसे कभी भी वापस लिया जा सके और जो एक तय समय के लिए हो, के ज़रिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आदान-प्रदान कर सकते हैं। आभा आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान है, जो लोगों को सुरक्षित रूप से व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ता है। यह मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। वे इस एक अंतर-संचालनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने पूरे मेडिकल इतिहास को सुरक्षित रखते हुए बीमा कंपनियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं। मई 2026 में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि के तहत, अब 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से भी ज़्यादा आभा खातों से जुड़ चुके हैं। यह एक व्यवस्थित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में अहम प्रगति है। आभा के अलावा, एबीडीएम एक पूर्ण रूप से विकसित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र है। यह मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़ता है, बीमा कंपनियों को अस्पतालों से जोड़ता है, और सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक ही नेटवर्क पर लाता है। आभा संख्याः 14 अंकों की एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान या संख्या जो आपकी सहमति से विभिन्न अस्पतालों, लैब, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आपके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ती है। स्वास्थ्य व्यावसायिक पंजीयनः देश के सभी स्वास्थ्य पेशेवर डॉक्टरों से लेकर आयुष चिकित्सकों तक का पंजीयन, जो सत्यापित होते हैं और डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं। स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्रीः सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं–जैसे अस्पतालों, क्लीनिकों, लैब और फार्मेसियों का एक राष्ट्रीय पंजीकरण, जो सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेसः स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक खुला नेटवर्क–जैसे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए यूपीआई। इसके ज़रिए किसी भी ऐप से अपॉइंटमेंट बुक करें, डॉक्टरों से परामर्श लें और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगा सकते हैं। आरोग्य सेतु 2.0: यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) के लिए एक एकीकृत माध्यम के रूप में कार्य करता है, जिससे देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की रफ्तार को तेज़ किया जा रहा है। मूल रूप से भारत के कोविड-19 ट्रेसिंग एप्लिकेशन (कोविड-19 संपर्क में आने वालों का पता लगाने वाला एप) के रूप में विकसित, आरोग्य सेतु को एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में बदल दिया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक एकीकृत गेटवे के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की गति को तेज़ कर रहा है। आरोग्य सेतु 2.0 को 29 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एबीडीएम के तहत एक नए रूप और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में शुरू किया गया था। एबीडीएम-सक्षम सेवाओं तक पहुँचः इसमें आभा आईडी बनाना, स्वास्थ्य रिकॉर्ड का प्रबंधन करना और बिना किसी परेशानी के डिजिटल पंजीकरण के लिए स्कैन और रजिस्टर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। स्मार्ट रिपोर्ट्सः ये रिपोर्ट्स ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) तकनीक पर आधारित हैं, जो डिजिटल दस्तावेजों को आसानी से पढ़ सकती हैं। पारदर्शी कवरेज और क्लेम की जानकारीः इसके तहत एनएचसीएक्स के माध्यम से आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना वॉलेट और निजी बीमा के विवरण को देखा जा सकता है। आपातकालीन देखभाल तक समय पर पहुँचः पास की स्वास्थ्य सुविधाओं का पता लगा सकते हैं और आपातकालीन देखभाल तक समय पर पहुँच के लिए ई-रक्तकोष के माध्यम से रक्त की वास्तविक समय पर उपलब्धता देख सकते हैं। एआई-संचालित स्वास्थ्य अंतर्दृष्टिः बायोमार्कर और आरोग्य प्रवृत्तियों के विश्लेषण के लिए अपने अपलोड किए गए रिकॉर्ड को एबीडीएम से जुड़े डेटा के साथ जोड़कर एआई-आधारित स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। संबद्ध और सुलभ इलाज के लिए यूएचआई के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन (ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श) और अस्पताल जाकर दिखाने, दोनों तरह के अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा। मरीज अपने स्वास्थ्य की निर्बाध रूप से निगरानी और प्रबंधन कर सकेंगे; जिसमें एकीकृत वाइटल्स (शारीरिक संकेतकों), व्यक्तिगत रिमाइंडर्स, लक्ष्य ट्रैकिंग और चलने के कदम, कैलोरी, हृदय गति व ग्लूकोज के स्तर को ट्रैक करने के लिए वियरेबल डिवाइस (फिटनेस बैंड/स्मार्टवॉच) को मिलाने की सुविधा शामिल है। खुद को सूचित रखने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ब्लॉग, आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री, वीडियो और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) सहित आरोग्य संबंधी जानकारी तक पहुँच शामिल है। । एबीडीएमः ऑनलाइन अपॉइंटमेंट पंजीकरण के माध्यम से अस्पतालों में प्रतीक्षा के समय को कम करना भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (आईआईएचएमआर) द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, 2022 में एबीडीएम के तहत शुरू की गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की स्कैन एंड शेयर सेवा ने मोबाइल तकनीक और क्यूआर कोड का उपयोग करके बाह्य रोगी (ओपीडी) पंजीकरण को काफी सरल और सुव्यवस्थित बना दिया है। यह सेवा मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं में एक क्यूआर कोड स्कैन करके डिजिटल कतार टोकन जनरेट करने में सक्षम बनाती है, जिसमें उनके आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जनसांख्यिकीय विवरण सुरक्षित रूप से प्राप्त कर लिए जाते हैं और उन्हें उस स्वास्थ्य सुविधा के स्वास्थ्य सूचना तंत्र के साथ एकीकृत कर दिया जाता है। आईआईएचएमआर के अध्ययन में पाया गया कि स्कैन एंड शेयर सेवा ने मरीजों के प्रतीक्षा समय को लगभग एक घंटे से घटाकर मात्र 2 से 5 मिनट कर दिया है। देश भर की स्वास्थ्य सुविधाओं में 23.21 करोड़ से अधिक आभा से जुड़े टोकन जारी किए गए (18 जून, 2026 तक की स्थिति के अनुसार)। सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और रोगी अधिकार समूहों के सहयोग से विकसित यह सेवा, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और अंतर-संचालनीयता के स्थापित मानकों का कड़ाई से पालन करती है। सभी स्वास्थ्य सुविधाएं–सरकारी और निजी एबीडीएम नेटवर्क में शामिल हो सकती हैं।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई। इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू-रणनीतिक सोच का संकेत भी था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है। इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है। देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी

भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी। कृषिऔर वानिकी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है। हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है।

पंजाब ने बड़ी कीमत देकर शांति पाई, सतलुज के जरिये पुराने जख्मों को कुरेदना गलत है

पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। पंजाब के अशांत दौर, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति की बहस के बीच एक बार फिर विवादों के केंद्र में आई फिल्म सतलुज ने देशभर में तीखी बहस छेड़ दी है। अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। लेकिन यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पंजाब के उस संवेदनशील और खून से सने दौर की कहानी को दोबारा सामने लाने की कोशिश है, जब आतंकवाद, अलगाववाद और सीमापार से प्रायोजित हिंसा ने पूरे राज्य को भय और अस्थिरता में धकेल दिया था। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच से हटाने का फैसला न केवल उचित दिखाई देता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी जिम्मेदार लोकतंत्र का कर्तव्य होता है। हम आपको बता दें कि यह फिल्म पहले घल्लूघारा नाम से शुरू हुई थी। बाद में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों के बाद इसका नाम पंजाब-95 रखा गया और अंततः इसे सतलुज नाम से प्रदर्शित किया गया। फिल्म

की विषयवस्तु पंजाब पुलिस के आतंकवाद विरोधी अभियान और उस दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि जसवंत सिंह खालड़ा ने 1984 से लेकर 1994 के बीच हजारों अज्ञात शवों के कथित अंतिम संस्कार के मामलों की जांच की थी। बाद में उनका खुद का अपहरण हुआ और उनकी हत्या कर दी गई। अदालत ने इस मामले में कुछ पुलिसकर्मियों को दोषी भी ठहराया था। देखा जाये तो इन तथ्यों से किसी को इंकार नहीं हो सकता कि पंजाब ने उस दौर में अत्यंत पीड़ा झेली। हजारों निर्दोष लोग मारे गए, परिवार उजड़ गए और भय का वातावरण पूरे राज्य पर छाया रहा। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, उनके दर्द के प्रति संवेदना व्यक्त करना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। लेकिन इसके साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि उस समय पंजाब किस परिस्थिति से गुजर रहा था, इसे भी ईमानदारी से समझा जाए। सीमापार से आतंकवाद को खुला समर्थन मिल रहा था। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां पंजाब को अस्थिर करने के लिए सक्रिय थीं। अलगाववादी संगठन खुलेआम हथियारबंद हिंसा चला रहे थे। पुलिसकर्मियों, पत्रकारों, नेताओं और आम नागरिकों की हत्याएं रोजमर्रा की खबर बन चुकी थीं। ऐसे भयावह दौर में पंजाब पुलिस ने जिस कठोर अभियान को चलाया, उसी के कारण राज्य धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौट सका। उस समय के पुलिस महानिदेशक केपीएस गिल को लेकर आज अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि अगर पंजाब पुलिस और सुरक्षा बल कठोर कार्रवाई नहीं करते, तो शायद पंजाब आज भी आतंकवाद की आग में झुलस रहा होता। जिन्होंने उस दौर को अपनी आंखों से देखा है, वह जानते हैं कि हालात कितने गंभीर थे। केपीएस गिल और उनकी टीम ने आतंकवाद के खिलाफ जो अभियान चलाया, उसी ने पंजाब को अलगाववाद और बंदूक की राजनीति से बाहर निकालने में निर्णायक भूमिका निभाई। आज कुछ राजनीतिक दल और कथित बुद्धिजीवी पुलिसिया कार्रवाई को केवल एकतरफा तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उस समय पंजाब में किस दल की सरकार थी। उस समय राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर सत्ता किसके हाथ में थी और निर्णय कहां से लिए जाते थे, यह इतिहास का हिस्सा है। साथ ही जो लोग आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की दुहाई दे रहे हैं, उन्हें अपने अतीत में भी झांकना चाहिए। खासतौर पर कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि आपातकाल के दौरान देश की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता क्यों कुचल दी गई थी? अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था? यदि आज कोई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर कोई कदम उठाती है, तो उसे तानाशाही कहना इतिहास के साथ अन्याय होगा। इसी के साथ पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी की भूमिका पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस तरह उसके कुछ नेता सतलुज फिल्म के पक्ष में खुलकर बयान दे रहे हैं, उससे यह आशंका भी पैदा होती है कि कहीं यह प्रयास राज्य सरकार की कथित नाकामियों से जनता का ध्यान हटाने की रणनीति तो नहीं है। कहीं आम आदमी पार्टी यह तो नहीं चाहती कि विधानसभा चुनावों में उसके कामकाज की बजाय इतिहास की घटनाएं ही मुद्दा बन जायें? सभी को यह समझना होगा कि इतिहास से सीख लेना आवश्यक है, लेकिन इतिहास को वर्तमान पर इस तरह हावी कर देना कि भविष्य ही प्रभावित होने लगे, किसी भी राज्य और समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। पंजाब को आज विकास, रोजगार, नशे के खिलाफ कड़े कदम और कानून व्यवस्था सुधारने जैसे वास्तविक मुद्दों पर आगे बढ़ने की जरूरत है, न कि पुराने घावों को बार बार कुरेदकर राजनीतिक लाभ लेने की। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि पंजाब कोई सामान्य राज्य नहीं, बल्कि देश का सीमावर्ती और अत्यंत संवेदनशील प्रदेश है। यहां के सामाजिक और धार्मिक तानेबाने को बिगाड़ने की कोशिशें पहले भी होती रही हैं और आज भी दुश्मन ताकतें मौके की तलाश में रहती हैं। ऐसे में पुराने घावों को इस प्रकार कुरेदना, जिससे समाज में नई वैमनस्यता पैदा हो, बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि किसी भी संवेदनशील विषय को बिना व्यापक सामाजिक परिणामों पर विचार किए प्रस्तुत कर दिया जाए। फिल्म के प्रदर्शन को लेकर जिस प्रकार विवाद बढ़ा, उसने यह भी दिखाया कि ओटीटी मंचों के लिए स्पष्ट और कठोर नियमों की आवश्यकता है। फिल्म को केंद्रीय प्रमाणन बोर्ड ने अनेक कट लगाने के सुझाव दिए थे। पहले 21 कट और बाद में 120 से अधिक संशोधनों की बात सामने आई। इसके बावजूद फिल्म निर्माताओं ने नया नाम देकर इसे ओटीटी मंच पर जारी कर दिया। ऐसे में सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना स्वाभाविक था। यदि किसी सामग्री से सामाजिक तनाव या अलगाववादी भावनाओं को हवा मिलने की आशंका हो, तो सरकार का कर्तव्य है कि वह समय रहते कदम उठाए। दिलचस्प बात यह भी रही कि अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने स्वयं पहले ही आशंका जता दी थी कि फिल्म को भारत में हटाया जा सकता है। बाद में उन्होंने लोगों से इसे डाउनलोड कर दूसरों को दिखाने की अपील भी की। यह रवैया कई सवाल खड़े करता है।

आज का राशि फल

मेष राशिः आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशिः आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला **राशिः** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशिः आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशिः आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

स्कूलों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश

विजयवाड़ा, पेन पावर, 8 जुलाई: जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण, स्वच्छ और पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है तथा इसकी गुणवत्ता से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने पेनुगंचिप्रोलु स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता, रसोई की स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और खाद्य सामग्री के भंडारण की जांच की। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रतिदिन गर्म, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर पढ़ाई, भोजन की गुणवत्ता और विद्यालय की सुविधाओं की जानकारी भी ली।

राज्य शिक्षा आयुक्त ने रम्पचोडवरम के सरकारी विद्यालयों का किया निरीक्षण

रम्पचोडवरम, 8 जुलाई (पेन पावर): आंध्र प्रदेश की स्कूल शिक्षा आयुक्त तमीम अंसारिया ने कहा कि राज्य सरकार सभी सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल कक्षाएं तथा डोक्का सीतम्मा मध्याह्न भोजन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बुधवार को आयुक्त ने पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार, संयुक्त कलेक्टर एस. प्रशांत कुमार तथा शिक्षा विभाग की क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक नागमणि के साथ रम्पचोडवरम मंडल परिषद विद्यालय, गुरुकुल बालक विद्यालय के खेल मैदान, डिग्री कॉलेज के समीप स्थित मैदान तथा सरकारी जूनियर कॉलेज के मैदान का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन विद्यामित्र किट्स के माध्यम से डिजिटल शिक्षा तथा डोक्का सीतम्मा मध्याह्न भोजन योजना का सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को पाठ इस प्रकार पढ़ाएं कि वे आसानी से समझ सकें तथा आवश्यकता पड़ने पर पाठ को दोबारा भी समझाएं। विद्यालय परिसरों में नियमित स्वच्छता अभियान चलाने, विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने तथा प्रत्येक छात्र को समय पर पाठ्यपुस्तकें और वर्दी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

आयुक्त ने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शौचालयों की स्थिति, पेयजल सुविधा, स्वच्छता, रसोईघर का रखरखाव, भोजन की गुणवत्ता तथा निर्धारित मेन्यू के पालन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना में गुणवत्ता और पौष्टिकता के मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने विद्यालय परिसरों में मच्छरों की रोकथाम के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के भी निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

मंडल परिषद उच्च विद्यालय में उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर यह भी जाना कि उन्हें प्रतिदिन मध्याह्न भोजन मिल रहा है या नहीं तथा शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए पाठ उन्हें समझ में आ रहे हैं या नहीं। इसके बाद उन्होंने एपीआरजेसी विद्यालय, डिग्री कॉलेज तथा सरकारी जूनियर कॉलेज के खेल मैदानों का भी निरीक्षण किया।

इस कार्यक्रम में जनजातीय कल्याण विभाग के उपनिदेशक रुक्मंडैया, जिला शिक्षा अधिकारी जी. श्रीराम मूर्ति, एजेंसी डीईओ वाई. मल्लेश्वर राव, कार्यपालक अभियंता आई. श्रीनिवास राव, डीई भवानी, सहायक जनजातीय कल्याण अधिकारी जल्ली शंभुडु, मंडल शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास राव, मुत्याल राव, टी. मल्लेश्वर राव, सत्यनारायण, बालू दोरा, नरसिंहा राव, सीएमओ चिनबाबू, कारम सूरीबाबू तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हर पात्र नागरिक को मताधिकार दिलाना ही लक्ष्य : आयुक्त के. मयूर अशोक

गुंटूर, पेन पावर, 8 जुलाई: गुंटूर पूर्व निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं नगर आयुक्त के. मयूर अशोक ने कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग ने 'घर बैठे सेल्फ–एन्यूमरेशन' सुविधा शुरू की है, जिसके माध्यम से नागरिक ऑनलाइन अपने मतदाता विवरण दर्ज या संशोधित कर सकते हैं। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से इस सुविधा का लाभ उठाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही, भरे हुए एन्यूमरेशन फॉर्म निकटतम सचिवालय में जमा करने तथा मतदाताओं की सहायता के लिए वार्ड स्तर पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाने की जानकारी दी।

शोध एवं प्रकाशन पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम संपन्न

विशाखापट्टनम, 8 जुलाई (पेन पावर): विज्ञान इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (स्वायत्त) के अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) विभाग के तत्वावधान में ''रिसर्च एंड पब्लिकेशन्स'' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का 6 से 8 जुलाई तक सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की शोध क्षमता को बढ़ाना, उच्च गुणवत्ता वाले शोध–पत्र लेखन में कौशल विकसित करना तथा संस्थान में शोध संस्कृति को और सुदृढ़ बनाना था। संस्थान के विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में शिक्षकों ने इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य संसाधन विशेषज्ञ आईआईटी धारवाड़ के इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं स्टूडेंट्स वेलफेयर के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. राहुल जशवंतभाई पांड्या रहे। उन्होंने शोध पद्धति, शोध अनुदान प्रस्ताव तैयार करना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित अकादमिक लेखन, प्रकाशन नैतिकता, प्लेजरिज्म की रोकथाम, जर्नल इंडेक्सिंग, बिब्लियोमेट्रिक संकेतक, पीयर–रिव्यू प्रक्रिया, ओपन एक्सेस प्रकाशन तथा शोध की गुणवत्ता बढ़ाने में एआई के जिम्मेदार उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने शोध में कमियों की पहचान, गुणवत्तापूर्ण शोध–पत्र तैयार करने, एआई आधारित शोध उपकरणों के उपयोग, उपयुक्त शोध पत्रिकाओं के चयन तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नलों में शोध–पत्र प्रकाशित करने की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर व्यापक जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का समन्वय संस्थान के डीन (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. क्रांति कुमार गंगु ने किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. जे. सुधाकर तथा रेक्टर डॉ. वी. मधुसूदन राव ने कहा कि ऐसे संकाय विकास कार्यक्रम संस्थान में शोध वातावरण को सुदृढ़ बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने, शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए प्रेरित करने तथा उच्च प्रभाव वाले अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में शोध–पत्र प्रकाशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान संस्थान शोध, नवाचार, शैक्षणिक नेतृत्व तथा शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

आईटी क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहल

ओंगोल, 8 जुलाई (पेन पावर): जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने कहा कि सरकार आईटी क्षेत्र के विकास के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने वाणिज्यिक भवनों, कार्यालयों और भूमि के मालिकों से अनुरोध किया कि वे अपनी संपत्तियों का निःशुल्क पंजीकरण https://itinfra-ap-gov-in पोर्टल पर कराएं। यह पोर्टल बिक्री, किराये और लीज के लिए उपलब्ध संपत्तियों का समग्र डाटाबेस तैयार करने हेतु विकसित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए जिला आईटी प्रबंधक लक्ष्मी दुर्गा से 9182612050 पर संपर्क किया जा सकता है।

यूट्यूबर रावण के फोन में मिले चौंकाने वाले तथ्य

काकीनाडा, 8 जुलाई: यूट्यूबर जोसेफ उर्फ रावण मामले की जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। 2 जुलाई को काकीनाडा जिले के सरपवरम में रावण की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया था। फोन की जांच करने पर पुलिस को ऐसे वीडियो मिले, जिनमें रावण कई महिलाओं के साथ करीबी संबंधों में दिखाई देता है। जांच में यह भी सामने आया कि ये वीडियो हैदराबाद स्थित उसके स्टूडियो में लगाए गए कथित गुप्त कैमरों के माध्यम से रिकॉर्ड किए गए थे। पुलिस के अनुसार, उन्हें ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि रावण कथित रूप से इन वीडियो का इस्तेमाल कई महिलाओं को ब्लैकमेल करने के लिए करता था। जांच एजेंसियों का दावा है कि वह हर महीने इस तरह की ब्लैकमेलिंग के जरिए धन अर्जित कर रहा था। पुलिस ने इस मामले से प्रभावित महिलाओं से अपील की है कि वे बिना किसी डर के आगे आकर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि शिकायतकर्ताओं की पहचान और व्यक्तिगत विवरण पूरी तरह गोपनीय रखे जाएंगे।

लापता मछुआरों के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा

विशाखापत्तनम, 8 जुलाई: विशाखापत्तनम समुद्र क्षेत्र में लापता हुए मछुआरों के परिवारों को सरकार ने मुआवजा प्रदान किया है। तत्काल सहायता के रूप में प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

बुधवार को मंत्री कोल्लु रविंद्र ने मृतक एवं लापता मछुआरों के परिजनों को सहायता राशि के चेक सौंपे। इस सहायता में केंद्र सरकार की बीमा योजना के तहत 5 लाख रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि सरकार लापता मछुआरों के परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी रहेगी। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार किसी सरकार ने तत्काल राहत के रूप में मछुआरों के परिवारों को 10 लाख रुपये की सहायता प्रदान की है।

कोल्लु रविंद्र ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में मछुआरों से संबंधित 63 बीमा दावे लंबित पड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि 3.15 करोड़ रुपये के दावों का भी बुधवार को निपटारा कर दिया गया है।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता और सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लापता मछुआरों की तलाश के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा खोज अभियान लगातार जारी है।

रावण और प्रकाश राज को वाईएसआरसीपी का समर्थन देश पर हमला है: विजयसाई रेड्डी

अमरावती, 8 जुलाई: पूर्व सांसद विजयसाई रेड्डी ने जोसेफ रावण विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सवाल किया कि जोसेफ रावण और अभिनेता प्रकाश राज को समर्थन कौन दे रहा है। इस संबंध में उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए पूछा कि वे किस संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं और उनकी पृष्ठभूमि तथा मूल क्या है। विजयसाई रेड्डी ने कहा कि गलत और आपत्तिजनक बयान देने वालों को कानून और समाज दोनों को सबक सिखाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों के माध्यम से धार्मिक भावनाओं पर हमला करना एक फैशन बन गया है। उन्होंने कुछ धर्मांतरित परिवारों पर हिंदुत्व के खिलाफ जहर फैलाने का आरोप लगाया। विजयसाई रेड्डी ने कहा कि जोसेफ रावण और अभिनेता प्रकाश राज को वाईएसआर सीपी द्वारा दिया जा रहा समर्थन देश पर हमले के समान माना जाना चाहिए। उन्होंने सरकारों से आग्रह किया कि वे कथित राष्ट्रविरोधी साजिशों और गतिविधियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करें।

आंध्र प्रदेश सरकार का छात्रावासों और गुरुकुलों में मेस शुल्क बढ़ाने का फैसला

अमरावती, 8 जुलाई: आंध्र प्रदेश सरकार ने छात्रावासों और गुरुकुलों के मेस शुल्क में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडु ने बुधवार को सचिवालय में विभिन्न कल्याण विभागों के मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर दिशा–निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान मेस शुल्क में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने एमजेपी (महात्मा ज्योतिबा फुले) स्कूलों के स्थायी भवनों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये मंजूर करने को भी हरी झंडी दे दी। चंद्रबाबू नायडु ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्रावासों और गुरुकुलों में सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मेस शुल्क वृद्धि पर मंत्री सविता ने जताई खुशी

मंत्री सविता ने मेस शुल्क बढ़ाने के निर्णय पर खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि से छात्रों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा। मंत्री ने कहा कि बीसी छात्रावासों और गुरुकुलों में छात्रों को उनके अपने घर जैसा वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

दिलजीत दोसांझ की 'सतलुज' पर सरकार का नया कदम, कंटेंट की होगी जांच

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' के कंटेंट की जांच के लिए एक हाई-लेवल इंटर-डिपार्टमेंटल कमेटी बनाई है। यह फिल्म पंजाब के एक मानवाधिकार कार्यकर्ता के लापता होने की घटना से प्रेरित है। यह कमेटी सोमवार को बनाई गई। जानिए क्या है फिल्म 'सतलुज' से जुड़ा पूरा विवाद?

फिल्म 'सतलुज' को लेकर क्यों हुआ विवाद?

दिलजीत दोसांझ ने 'पंजाब95' नाम से एक फिल्म की थी, जो सेंसर बोर्ड के पास तीन साल तक अटकी रही। फिर 'सतलुज' नाम से शुक्रवार को ओटीटी पर रिलीज हुई। लेकिन दो दिन बाद इसे ओटीटी प्लेफॉर्म से हटा दिया गया। हनी त्रेहान की निर्देशित फिल्म 'सतलुज' पंजाब के एक्टिविस्ट जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित है।

बता दें कि जसवंत सिंह ने 1984 से 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के अंतिम संस्कार की जांच की थी। 1995 में उनका अपहरण कर लिया गया था और उसके बाद वे कभी नहीं दिखे।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाया है।सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाने को कहा। अब इसके कंटेंट की जांच की जाएगी।

क्यों फिल्म को ओटीटी से हटाया गया?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि फिल्म को जरूरी सर्टिफिकेशन प्रोसेस पूरा किए बिना ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था। जी5 ने भी पुष्टि की है कि फिल्म अगले आदेश तक भारत में उपलब्ध नहीं रहेगी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक फिल्म के पास थिएटर में रिलीज के लिए जरूरी सर्टिफिकेशन नहीं था। एएनआई के मुताबिक अधिकारी ने कहा, 'फिल्म 'सतलुज' के मेकर्स ने 2022 में इसके ओरिजिनल टाइटल 'पंजाब 95' के तहत सेंसर सर्टिफिकेशन के लिए अप्लाई किया था, लेकिन उन्होंने सेंसर बोर्ड द्वारा सुझाए गए 127 कट्स को स्वीकार नहीं किया और फिल्म की रिलीज रोक दी।

अधिकारी ने कहा, 'फिल्ममेकर्स सुझाए गए कट्स पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे थे और आखिरकार उन्होंने नए टाइटल के साथ ओटीटी पर चुपचाप फिल्म रिलीज कर दी। ओटीटी सेंसर बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। जब यह मामला सरकार के संज्ञान में आया, तो जी प्लेटफॉर्म से इसे हटाने के लिए कहा गया।

दिलजीत और निर्देशक ने फिल्म हटाए जाने पर क्या कहा?

जब फिल्म को ओटीटी से हटाया गया तो दिलजीत काफी दुखी हुए। लेकिन उन्होंने लोगों से कहा कि जहां पर भी फिल्म देखने को मिले, वह देखें। वहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने दर्शकों से पायरेसी का समर्थन न करने की बात कही है। इसके अलावा डायरेक्टर हनी त्रेहान ने भी पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'भगवान की मर्जी मीठी लगती है।' वह फिल्म को लेकर उम्मीद भरे हैं।'

'मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए' कृति सेनन ने क्यों उठाया यह कदम? एक्ट्रेस ने सुनाया पुराना किस्सा

कृति सेनन की उम्र इस वक्त 35 साल है। उनके कबीर बहिया के साथ रिलेशनशिप में होने की अटकलें भी लगती हैं। लेकिन शादी को लेकर कृति सेनन का अभी कोई प्लान नजर नहीं आता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि लगभग 5 साल पहले ही अपने एग्स फ्रीज करवा लिए थे। उस वक्त एक खास वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था।

कृति सेनन ने इस वजह से एग्स फ्रीज करवाए थे

कृति सेनन कहती हैं, 'मैं यह बात पहली बार बता रही हूं। मैंने अपने एग्स फ्रीज करवाए थे। मैंने बहुत समझदारी से यह काम उस समय किया, जब मुझे 'मिमी' फिल्म के लिए वजन बढ़ाना था। इससे शरीर में बदलाव आ रहे थे, मैं वजन बढ़ा ही रही थी। मैंने किसी से बात की थी, उन्होंने मुझे बताया कि अगर हो सके तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात है। यह खुद को दिया जा सकने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात मेरे दिमाग में रह गई। फिर जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है।'

फिल्म 'मिमि' साल 2021 में रिलीज हुई थी यानी लगभग पांच साल पहले कृति सेनन ने अपने एग्स को फ्यूचर के लिए फ्रीज करवा दिया। बता दें कि एग फ्रीजिंग एक मेडिकल प्रक्रिया है जिसमें महिला के एग्स (अंडे) को जमा करके फ्रीज कर दिया जाता है। जब कभी फ्यूचर में उसे मां बनना होता है तो इन एग्स के जरिए वह अपने बयोलॉजिकल बच्चे पैदा कर सकती है।

रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में हैं एक्ट्रेस

कृति सेनन बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ नजर आ चुके हैं। बीते दिनों इनके ब्रेकअप की अटकलें भी लग थीं। फिर यह कपल मुंबई के बांद्रा में डिनर डेट पर दिखाई दिया। पैपराजी से भी बचने की कोशिश कृति और कबीर ने नहीं की। एक वायरल वीडियो में दोनों मुस्कुरा रहे थे। एक ही गाड़ी में यह कपल घर की तरफ निकला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनके रिश्ते में कोई दूरी नहीं आई।

कृति सेनन करियर फ्रंट पर क्या रही हैं?

कृति सेनन की कुछ दिनों पहले ही फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज हुई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कृति आने वाली फिल्म 'डॉन 3' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

पति से तलाक के बीच सेलिना जेटली ने महिलाओं से की खास अपील; बोलीं 'यह बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपने पति के साथ मुश्किल भरे तलाक को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने महिलाओं से एक गुजारिश की है। सभी महिलाओं से उन्होंने अपील की है कि प्री-नअपशियल एग्रीमेंट (शादी से पहले का समझौता) जरूर करें।

सेलिना की महिलाओं से गुजारिश

सेलिना जेटली ने दावा किया कि पीटर ने उन्हें अपनी निजी संपत्ति उनके नाम करने के लिए मजबूर किया। ऐसे में अलग होते समय उनके पास कुछ भी नहीं बचा। इसीलिए, सेलिना ने कहा कि महिलाओं को शादी से पहले प्री-नअप पर साइन करना चाहिए, खासकर उन महिलाओं को जिनके पास अपनी निजी संपत्ति है।

क्यों जरूरी है समझौता करना?

उन्होंने कहा 'मैं लड़कियों को सलाह दूंगी कि अगर आपके पास अपनी संपत्ति है, तो प्लीज प्री-नअप जरूर करें। शादी से पहले प्री-नअप जरूर करें। अपनी संपत्ति हमेशा अलग रखें। क्योंकि, आप जानते हैं, आखिर में सब कुछ संपत्ति पर ही आकर रुकता है। सारा प्यार, सारी देखभाल, साथ रहने के वादे, बच्चे, मौत और जन्म सब कुछ आखिर में संपत्ति पर ही सिमट जाता है। यही बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है।' सेलिना ने आरोप लगाया कि उनसे 20 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी ट्रांसफर करवाई गई और उन्होंने अपनी निजी संपत्ति भी खो दी।

सेलिना को मिला नोटिस

इस साल मई में, मुंबई की लॉ फर्म 'सेमवाल एंड कंपनी' ने बताया कि सेलिना को उनके अलग हो चुके पति पीटर हाग और उनके पिता वोल्फगैंग जे. हाग से कानूनी नोटिस मिले। इन नोटिस में उन पर आरोप लगाया गया था कि तलाक और बच्चों की कस्टडी की चल रही कार्यवाही के दौरान उन्होंने इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें कही थीं।

रणबीर कपूर की वजह से एक्टर बने वीर हिरानी? बेटे को लेकर राजकुमार हिरानी का दिलचस्प खुलासा

राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी ने एक्टिंग डेब्यू किया है। ओटीटी पर हालिया रिलीज सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में वे नजर आए हैं। यह राजकुमार हिरानी का ओटीटी डेब्यू है, तो वहीं बेटे वीर का एक्टिंग डेब्यू। राजू हिरानी का कहना है कि उनके बेटे को डायरेक्शन की बजाय एक्टिंग में कदम रखने की प्रेरणा शायद रणबीर कपूर से मिली।

राजकुमार हिरानी के मुताबिक फिल्म 'संजू' के दौरान रणबीर कपूर के साथ काम करने से शायद उनके बेटे वीर हिरानी को डायरेक्टर बनने के बजाय एक्टर बनने की प्रेरणा मिली। फिल्ममेकर ने यह भी बताया कि 'प्रीतम एंड पेड्रो' से वीर के एक्टिंग डेब्यू को सपोर्ट करने से पहले, उन्होंने शुरू में वीर को एक्टिंग न करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। राजकुमार हिरानी ने इंडिया टुडे के साथ एक खास बातचीत में यह भी बताया कि उन्होंने हमेशा सोचा था कि वीर डायरेक्टर बनेंगे, इसलिए जब वीर ने एक्टिंग करने का फैसला बताया, तो उन्होंने बेटो को ऐसा नहीं करने के लिए मनाने की पूरी कोशिश की थी।

उन्होंने कहा, 'वह अच्छी फिल्में बना रहा था। स्कूल के दिनों में भी उसने बहुत प्यारी फिल्में बनाई थीं। मुझे हमेशा लगता था कि वह डायरेक्शन करेगा। उसने 'संजू' फिल्म में मेरे साथ काम किया था और मुझे असिस्ट भी किया था, क्योंकि 12वीं के बाद उसने स्कूल से ब्रेक ले लिया था।

वह 'पीके' के कुछ शेड्यूल के दौरान भी मौजूद था। मुझे लगा कि वह काम सीख रहा है, फिर एक दिन उसने कहा कि वह एक्टर बनना चाहता है। मुझे लगता है कि उसने रणबीर को देखा और उससे प्रभावित हुआ।

राजकुमार हिरानी ने आगे कहा, 'रणबीर ने शायद उससे कहा होगा, 'तुम तो एकदम हीरो जैसे लगते हो'। तो उसने सोचा होगा, 'बस अब यही करना है, मुझे एक्टिंग करनी है'। अक्सर जहां फिल्ममेकर्स अपने बच्चों को लॉन्च करने के लिए उत्साहित रहते हैं, वहीं हिरानी का पहला रिएक्शन यही था कि वे बेटे को एक्टर बनने से रोंके। राजू हिरानी ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को कभी एक्टिंग करते हुए नहीं देखा था और उन्हें यकीन नहीं था कि एक्टिंग सही करियर ऑप्शन है।

वे बोले, 'मैंने उससे पूछा कि तुम ऐसा क्यों करना चाहते हो? लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा और उसने मुझसे यह भी कहा, 'आपने ही तो '3 इडियट्स' में कहा था कि वही करो जो तुम्हारा दिल चाहे'। तो, इस बात ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया'।

इसके बाद वीर ने छह-सात साल एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने, थिएटर की पढ़ाई करने और अपनी कला को निखारने में बिताए। फिर उन्होंने 'प्रीतम एंड पेड्रो' के लिए संपर्क किया। दिलचस्प बात यह है कि फिल्ममेकर शुरू में इस रोल के लिए बेटे को लेने की नहीं सोच रहे थे।

उन्होंने कहा, 'जब वह आया, तब हम इसे बनाने की प्रक्रिया में आगे बढ़ चुके थे। हम किसी और को कास्ट करने की सोच रहे थे। उसने मुझे बताया भी नहीं और सीधे अविनाश से मिलकर ऑडिशन देने की बात कही। उसने स्क्रिप्ट पढ़ ली थी और लगभग 30-40 सीन शूट भी कर लिए थे। अविनाश ने उसका नाटक भी देखा और तब उन्होंने मुझसे कहा कि जब वह हमारे पास है ही, तो हम किसी और को क्यों देख रहे हैं। लेकिन मेरे मन में यह बात नहीं थी कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनेगा'।

'वह मेरी जिंदगी से कभी दूर नहीं...', पांचवीं पुण्यतिथि पर सायरा ने किया दिलीप साहब को याद

आज दिग्गज दिवांगत अभिनेता दिलीप कुमार की 5वीं पुण्यतिथी है। इस खास मौके पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री सायरा बानो ने दिलीप साहब को याद करते हुए पोस्ट साझा किया। इसके साथ ही अभिनेत्री ने उन्हें अपने जीवन का सबसे खूबसूरत हिस्सा बताया। पढ़िए अभिनेत्री ने पोस्ट में क्या लिखा?

सायरा ने लिखा 'यादें कभी खत्म नहीं होतीं'

सायरा बानो और दिलीप कुमार का साथ लगभग 45 साल का रहा। शादी से लेकर दिलीप साहब से अंतिम वक्त तक सायरा उनके साथ रहीं। दिलीप साहब की पुण्यतिथी के दिन सायरा ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जिंदगी की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होती। यह यादों में बनी रहती है और यादें, समय की तरह नहीं, बल्कि वफादार साथी की तरह होती हैं। वे बिना बुलाए लौट आती हैं, हर मुस्कान, हर नजर, हर शब्द को साथ लेकर, जैसे कुछ भी कभी खोया ही न हो। किसी को याद करना शायद इस बात का सबसे पक्का सबूत है कि उन्हें कभी भुलाया नहीं गया।'

सायरा बोलीं- 'मैं उनकी शुक्रगुजार हूं'

एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'साहिब के मेरी नजरों से दूर हुए पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन वह मेरी जिंदगी से कभी दूर गए ही नहीं। हमारे प्यार मे इतनी गहराई है कि समय भी इसे रोक नहीं सकता। इतनी शालीनता वाला साथ किसी की गैर-मौजूदगी में खत्म नहीं होता। वह वहां रहते हैं जहां मेरी यादें जाती हैं और मेरी यादें हर रोज उन्हीं के पास जाती हैं। मैं उनकी शुक्रगुजार हूं।'

45 साल का रहा सायरा- दिलीप का साथ

दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार और एक्ट्रेस सायरा बानो की शादी 11 अक्टूबर 1966 में हुई थी। अपनी शादी से लेकर दिलीप जी की अंतिम यात्रा तक सायरा साये की तरह उनके साथ रहीं। सायरा सिर्फ 22 साल की थीं जब उन्होंने 44 साल के मशहूर अभिनेता से शादी की। हालांकि इस जोड़े की कोई संतान नहीं हुई। कई हिट फिल्मों में भी यह जोड़ा साथ नजर आया। फिल्म 'गोपी', 'सगीना', 'बैराग' में इस जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

98 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

दिवांगत अभिनेता दिलीप कुमार लंबे समय से सांस संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। इसी बीमारी के साथ 98 साल की उम्र में उन्होंने 7 जुलाई 2021 को आखिरी सांस ली। उनकी पत्नी सायरा बानो ने अंतिम समय तक उनकी देखभाल की। मगर अंत में दिलीप कुमार सायरा को यादों के सहारे छोड़ अपनी अंतिम यात्रा पर निकल पड़े।

अमीषा पटेल ने सनी देओल और बॉबी के बीच बताया बड़ा फर्क, 'हमराज' और 'गदर 2' का सुनाया दिलचस्प किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने हाल ही में बॉलीवुड के दो मशहूर भाई, सनी देओल और बॉबी देओल के स्वभाव के बीच का अंतर बताया। उन्होंने दोनों भाइयों के स्वभाव को एक-दूसरे से बिल्कुल अलग बताया है। इसके साथ ही अमीषा ने फिल्म 'हमराज' और 'गदर 2' का एक किस्सा भी बताया।

सनी देओल और बॉबी देओल में क्या फर्क है?

हाल ही में अमीषा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में नजर आईं। इस शो के दौरान अमीषा ने सनी और बॉबी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया।

अमीषा ने बताया कि सनी देओल स्वभाव से बहुत शर्मीले और शांत हैं, लेकिन उनके साथ वह खुलकर बात करते थे। वह बहुत केयरिंग और प्रोटेक्टिव हैं। अगर शूटिंग पर कोई समस्या होती, तो सनी हमेशा उनके आगे ढाल बनकर खड़े हो जाते थे। 'गदर' फिल्म की सफलता के पीछे यह भी एक बड़ी वजह थी।

बॉबी देओल को लेकर कही यह बात

अमीषा ने बॉबी देओल को सनी से बिल्कुल अलग इंसान बताया। अमीषा ने कहा बॉबी बहुत बिंदास और पार्टियों के शौकीन हैं। वह सेट पर मजाक करते रहते थे और काम को लेकर बहुत रिलैक्स्ड रहते थे।

'हमराज' की शूटिंग का एक मजेदार किस्सा

अमीषा ने साल 2002 में आई फिल्म 'हमराज' की शूटिंग का एक दिलचस्प किस्सा भी सुनाया। जयपुर के एक किले में जब वह बॉबी देओल के साथ इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तब 'गदर' फिल्म की लोकप्रियता की वजह से एक अजीब घटना हुई।

अमीषा ने कहा, 'जैसे ही क्लाइमैक्स सीन में बॉबी को मुझे गले लगाया, वहां मौजूद भीड़ चिल्लाने लगी, 'इसे छोड़ दो, यह तुम्हारे भाई की (तारा सिंह की) पत्नी है। वह इसे पाकिस्तान से वापस लाए हैं, इसे मत छुओ।' इसके बाद मेकर्स और स्टार्स को भीड़ को समझाना पड़ा कि यह सिर्फ एक फिल्म की शूटिंग है, जिसके बाद जाकर सीन पूरा हो सका।

देओल के साथ काम करने को लेकर अमीषा की राय?

अमीषा पटेल ने कहा कि देओल परिवार के साथ काम करना हमेशा से उनके लिए बेहद खुशी की बात रही है। अमीषा पटेल को आखिरी बार साल 2023 की सुपरहिट फिल्म 'गदर 2' में 'सकीना' के किरदार में देखा गया था, जिसमें उनके साथ एक बार फिर सनी देओल नजर आए थे।

'जब मैं दुल्हन बनी', अंशुला ने शादी में पहना मां का 42 साल पुराना जरदोजी दुपट्टा

फिल्म निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को रोहन ठक्कर के साथ शादी कर ली है। आज शादी के एक दिन बाद अंशला ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फैंस को खुश कर दिया है। इसी के साथ अंशुला ने अपने लुक को लेकर एक खास बात भी लिखी है।

अंशुला का लुक

अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी में पहने इस खास लहंगे में कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। अंशुला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'जब मैं दुल्हन बनी, तो मैं अपने साथ सिर्फ एक ही चीज ले जाना चाहती थी और वो है मेरी मां का 42 साल पुराना जरदोजी का दुपट्टा।'

दुपट्टे को ध्यान में रखकर तैयार किया लुक

अंशुला ने आगे लिखा, 'मेरी शादी के जोड़े की बाकी सभी चीजें इसी दुपट्टे को ध्यान में रखकर तैयार की गईं।' अंशुला ने आगे लिखा, 'अपनी जिंदगी के इस नए सफर की शुरुआत पर, मुझे अपनी मां की यादों के अहसास में लिपटे रहना सबसे सही लगा, जिसने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया है।'

किसने किया अंशुला का लुक तैयार

अंशुला का लुक कई फैशन डिजाइनर ने मिलकर तैयार किया है। अंशुला ने लिखा, 'डिजाइनर तरुण तहिलियानी, मोहित राय और रुचि कृष्णा की मदद से इस पुरानी और कीमती चीज के इर्द-गिर्द मेरा पूरा लुक तैयार किया गया।'

'भारत की कला का एक खूबसूरत संगम'

अंशुला ने आगे लिखा, 'यह ब्राइडल लुक पूरे भारत की कला का एक खूबसूरत संगम है, जिसमें, बारीक कसीदा कढ़ाई और शानदार जरी का काम है। मेरे परिवार को सम्मान देने के लिए एक बंधनी घरचोला दुपट्टा शामिल किया गया। इसका रंग हल्के गुलाबी जैसा है।'

अंशुला ने किया तरुण तहिलियानी का शुक्रिया

अंशुला ने आगे लिखा, 'मेरी पंजाबी जड़ों को याद करने के लिए इसमें सुंदर फुलकारी बॉर्डर भी जोड़ा गया। तरुण, मेरी इस भावना को समझने और मेरे लिए एक ऐसा लहंगा बनाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया, जो हमेशा के लिए यादगार और बिल्कुल मेरे जैसा है।'

पति के साथ प्रियंका चोपड़ा ने पेरिस फैशन वीक में दिखाया जलवा, बेटी मालती भी आईं नजर

प्रियंका चोपड़ा ने पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया है। उन्होंने इस इवेंट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। प्रियंका ने अपने पति निक जोनस के साथ जब स्टाइलिश अंदाज में एंट्री की, तो सबकी नजरें उन्हीं पर टिकी रह गईं। इस स्टार कपल ने इवेंट में फ्रंट रो में बैठकर अपने बेहतरीन फैशन सेंस का जलवा दिखाया।

पेरिस में दिखे प्रियंका और निक

प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि दोनों हाथ में हाथ डाले हुए हैं। प्रियंका चोपड़ा ने ऑरेंज रंग का ड्रामेटिक लेयर्ड गाउन पहना। साथ में सन ग्लास लगाया। वहीं निक जोनस ने क्लासिक ग्रे सूट पहना। उनके जूतों ने लोगों का ध्यान खींचा है।

कैमरे के सामने दिए पोज

वेन्यू पर पहुंचने पर प्रियंका और निक ने कैमरे के सामने पोज दिए। एक अच्छे पति की तरह निक ने अपनी पत्नी की कमर पर हाथ रखा और फोटो के लिए पोज दिया। फोटो सेशन के बाद, यह कपल वेन्यू के अंदर गया और वहां अपनी फ्रंट-रो सीट पर बैठ गया।

शेयर की बेटी की तस्वीर

प्रियंका चोपड़ा ने जो पोस्ट शेयर की है, उसमें उन्होंने लिखा 'बेहतरीन कलेक्शन के लिए शुक्रिया निक जोनस'। प्रियंका ने इवेंट में जाने से पहले की अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है। इवेंट में प्रियंका अपनी बेटी मालती को भी ले गईं। उन्होंने उसकी तस्वीर भी शेयर की है।

प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट

प्रियंका इन दिनों एसएस राजामौली और महेश बाबू के साथ अपनी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए पेरिस में मौजूद डायरेक्टर ने बताया कि उनकी टाइम-ट्रैवल कहानी वाली फिल्म की शूटिंग के अभी भी 80 दिन बाकी हैं।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com